बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे होगा देश का पहला अत्याधुनिक सुविधाओं वाला एक्सप्रेसवे

890 कैमरों से लैस होगा एक्सप्रेसवे, ड्राइवर से लेकर स्पीड तक का मिलेगा अलर्ट

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। चित्रकूट से इटावा तक 296 किलोमीटर लंबा बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे अत्याधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से लैस होने वाला देश का पहला एक्सप्रेसवे बनने जा रहा है। ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से इसके चप्पे-चप्पे की न केवल निगरानी होगी बल्कि सुरक्षित ड्राइविंग के लिए अलार्म सिस्टम होंगे। यह सिस्टम जाम और कोहरे से लेकर ओवरस्पीड और ड्राइवर की पहचान करने में सक्षम होंगे।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) की प्रक्रिया को क्रियान्वित करते हुए रिक्वेस्ट फॉर क्वॉलिफिकेशन (आरएफक्यू) व रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के

150 कैमरे खास होंगे, जो एक बार चार्ज होने पर 96 घंटे तक काम करेंगे

अनुरूप सुरक्षित और सुगम परिवहन के लिए यूपीडा ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। शुरुआत बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से की गई है। यहां एडवांस्ड ड्राइवर एडवायजरी सिस्टम, जीपीएस ट्रैकर समेत 890 कैमरे लगेंगे। सौर ऊर्जा से चार्ज होने वाले 150 कैमरे खास होंगे, जो एक बार चार्ज होने पर 96 घंटे तक काम करेंगे। 90 मीटर रेंज के स्पीड डिटेक्शन रडार वाहनों पर निगरानी रखेंगे।

ट्रैफिक मैनेजमेंट कमांड सेंटर भी करेगा काम

एटीएमएस से ड्राइवर की पहचान और गतिविधियों की मानीटरिंग होगी। इसके लिए मॉनिटरिंग सिस्टम कंट्रोलर, ग्राफिक डिस्प्ले, इंटरनेट व एसएमएस सर्वर होंगे। आपातकालीन ऑटोमेटिक टेलीफोन हेल्पलाइन, स्टाफ के लिए आधार बॉयोमीट्रिक फिंगरप्रिंट स्कैनर मशीन, सर्च प्रोटेक्शन डिवाइस, लाइटनिंग प्रोटेक्शन यूनिट, एडवांस्ड ड्राइवर एडवायजरी सिस्टम होंगे। महीनों का बैकअप भी रहेगा। इसी तरह मोशन डिटेक्शन सर्विलांस कैमरे और व्हीकल स्पीड डिटेक्शन सिस्टम एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ लगाए जाएंगे। इससे, ओवरस्पीडिंग करने वाली गाड़ियों का अलर्ट जारी होगा और कंट्रोल रूम द्वारा तत्काल ट्रैक किया जा सकेगा। एक्सप्रेस वे को तकनीकी रूप से सबसे शक्तिशाली बनाने का काम एजेंसी करेगी लेकिन इसे यूपीडा के अधिकारियों की देखरेख में पूरा किया जाएगा।